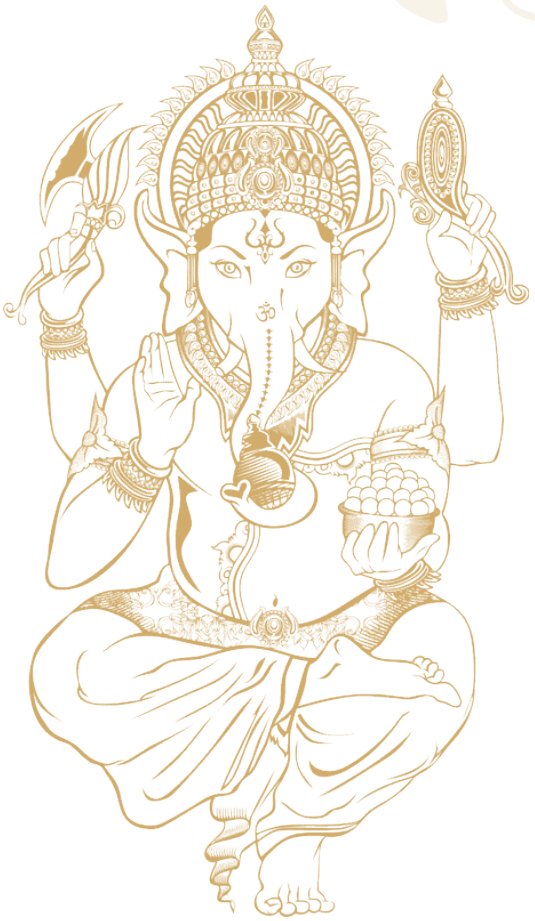

Mr. Anurag

06 Feb 1995

11:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120812906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/02/1995**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	40:57:39 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:05 घंटे
साम्पातिक काल	08:14:28 घंटे
सूर्योदय	07:06:56 घंटे
सूर्यास्त	18:03:45 घंटे
दिनमान	10:56:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:41:29 मकर
लग्न के अंश	05:38:19 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ली-लीलाधर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:38:19	312:16:45	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			मक	23:41:29	01:00:48	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	15:08:08	11:55:48	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		सिंह	01:14:06	00:23:23	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	मक	17:30:34	01:08:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	17:24:25	00:08:42	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			धनु	08:21:01	01:07:31	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	17:55:46	00:06:56	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	15:33:38	00:00:01	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	15:33:38	00:00:01	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष			मक	03:49:32	00:03:23	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
नेप			मक	00:08:53	00:02:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:37:22	00:00:54	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	07:35:26	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:31

लग्न-चलित

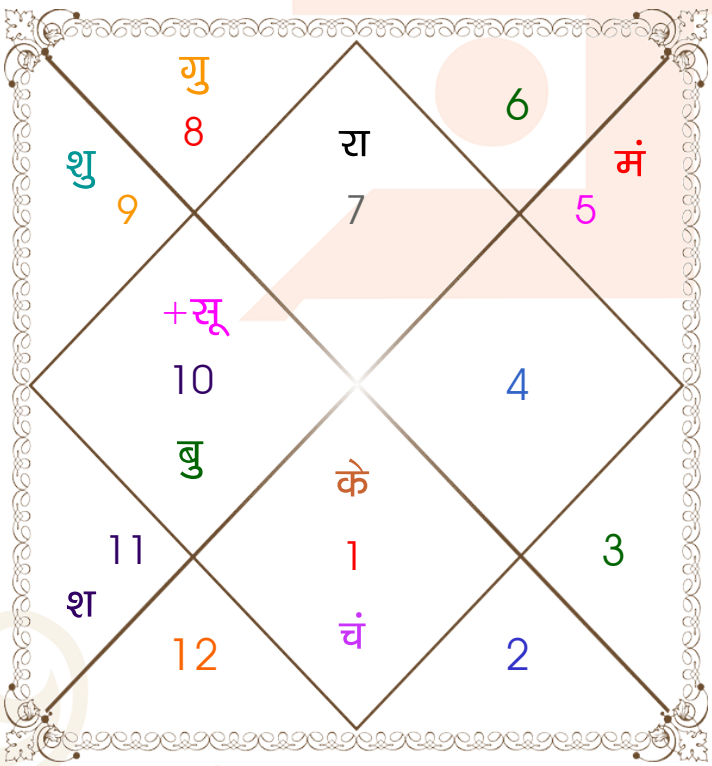

चन्द्र कुंडली

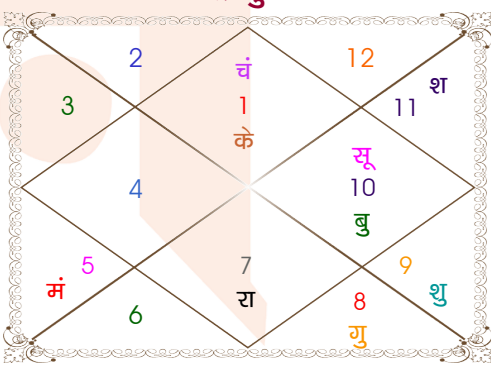

नवमांश कुंडली

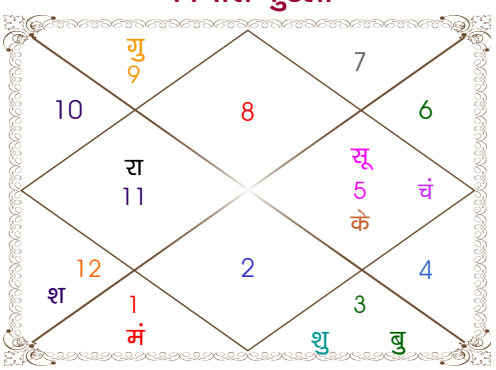

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 17 वर्ष 3 मास 17 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/02/1995		25/05/2012		26/05/2018		25/05/2028		26/05/2035	
25/05/2012		26/05/2018		25/05/2028		26/05/2035		25/05/2053	
शुक्र	25/09/1995	सूर्य	12/09/2012	चंद्र	26/03/2019	मंगल	21/10/2028	राहु	05/02/2038
सूर्य	24/09/1996	चंद्र	13/03/2013	मंगल	25/10/2019	राहु	09/11/2029	गुरु	01/07/2040
चंद्र	26/05/1998	मंगल	19/07/2013	राहु	25/04/2021	गुरु	16/10/2030	शनि	08/05/2043
मंगल	26/07/1999	राहु	13/06/2014	गुरु	25/08/2022	शनि	24/11/2031	बुध	24/11/2045
राहु	25/07/2002	गुरु	01/04/2015	शनि	25/03/2024	बुध	21/11/2032	केतु	12/12/2046
गुरु	25/03/2005	शनि	13/03/2016	बुध	25/08/2025	केतु	19/04/2033	शुक्र	12/12/2049
शनि	25/05/2008	बुध	17/01/2017	केतु	26/03/2026	शुक्र	19/06/2034	सूर्य	06/11/2050
बुध	26/03/2011	केतु	25/05/2017	शुक्र	24/11/2027	सूर्य	25/10/2034	चंद्र	07/05/2052
केतु	25/05/2012	शुक्र	26/05/2018	सूर्य	25/05/2028	चंद्र	26/05/2035	मंगल	25/05/2053

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/05/2053		25/05/2069		25/05/2088		26/05/2105		26/05/2112	
25/05/2069		25/05/2088		26/05/2105		26/05/2112		00/00/0000	
गुरु	14/07/2055	शनि	28/05/2072	बुध	22/10/2090	केतु	22/10/2105	शुक्र	07/02/2115
शनि	24/01/2058	बुध	05/02/2075	केतु	19/10/2091	शुक्र	23/12/2106		00/00/0000
बुध	01/05/2060	केतु	16/03/2076	शुक्र	19/08/2094	सूर्य	29/04/2107		00/00/0000
केतु	07/04/2061	शुक्र	17/05/2079	सूर्य	25/06/2095	चंद्र	28/11/2107		00/00/0000
शुक्र	07/12/2063	सूर्य	28/04/2080	चंद्र	24/11/2096	मंगल	26/04/2108		00/00/0000
सूर्य	24/09/2064	चंद्र	27/11/2081	मंगल	21/11/2097	राहु	14/05/2109		00/00/0000
चंद्र	24/01/2066	मंगल	06/01/2083	राहु	10/06/2100	गुरु	20/04/2110		00/00/0000
मंगल	31/12/2066	राहु	12/11/2085	गुरु	16/09/2102	शनि	30/05/2111		00/00/0000
राहु	25/05/2069	गुरु	25/05/2088	शनि	26/05/2105	बुध	26/05/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 17 वर्ष 3 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।